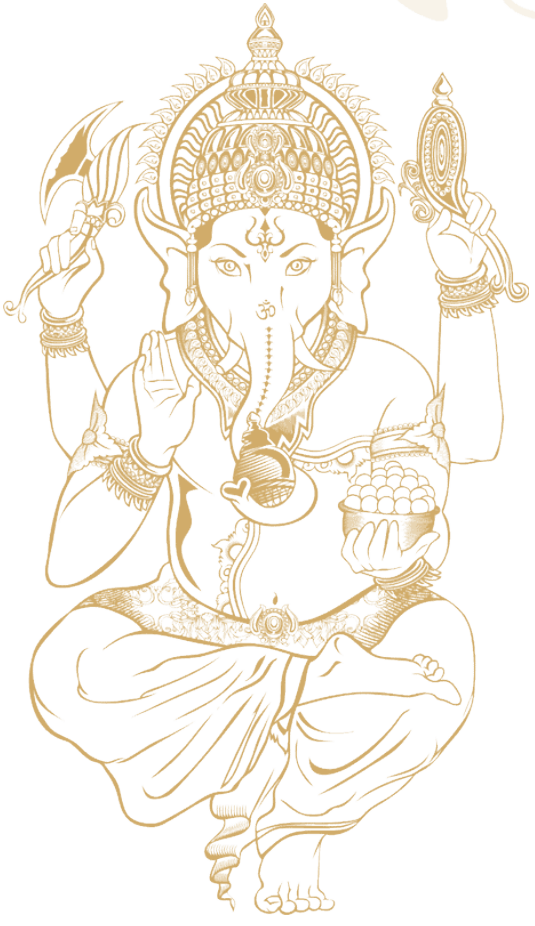

Devanshu Makhija

Model: Love-Horoscope

Order No: 121737701

Model: Love-Horoscope

Order No: 121737701 Date: 28/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/01/1996	जन्म तिथि	18/01/1999
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:46:19	जन्म समय	11:10:00 घंटे
घटी 01:18:20	जन्म समय(घटी)	09:47:40 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:58	सूर्योदय	07:14:55
17:47:55	सूर्यास्त	17:48:09
23:48:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:28

मकर	लग्न	मीन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	मकर
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
ज्येष्ठा	नक्षत्र	श्रवण
बुध	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	1
ध्रुव	योग	वज्र
गर	करण	बव
यू-युवराज	जन्म नामाक्षर	खी-खिली
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	वानर
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 1वर्ष 6मा 28दि		11:03:40	मक	लग्न	मीन	19:31:45	चन्द्र 9वर्ष 5मा 6दि	
सूर्य		03:27:16	मक	सूर्य	मक	03:49:37	राहु	
16/08/2024		28:45:41	वृश्चि	चंद्र	मक	10:45:19	25/06/2015	
17/08/2030		13:45:48	मक	मंगल	तुला	02:38:43	25/06/2033	
सूर्य	04/12/2024	05:19:19	मक व	बुध	धनु	23:04:46	राहु	07/03/2018
चन्द्र	05/06/2025	09:29:24	धनु	गुरु	मीन	00:56:36	गुरु	31/07/2020
मंगल	10/10/2025	09:44:11	कुंभ	शुक्र	मक	23:07:21	शनि	07/06/2023
राहु	04/09/2026	26:56:28	कुंभ	शनि	मेष	03:16:48	बुध	24/12/2025
गुरु	23/06/2027	27:31:50	कन्या व	राहु व	कर्क	28:20:25	केतु	12/01/2027
शनि	04/06/2028	27:31:50	मीन व	केतु व	मक	28:20:25	शुक्र	12/01/2030
बुध	11/04/2029	06:32:10	मक	हर्ष	मक	18:03:38	सूर्य	06/12/2030
केतु	17/08/2029	01:31:06	मक	नेप	मक	07:51:29	चन्द्र	06/06/2032
शुक्र	17/08/2030	08:39:27	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:49:30	मंगल	25/06/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:14 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:28

लग्न-चलित

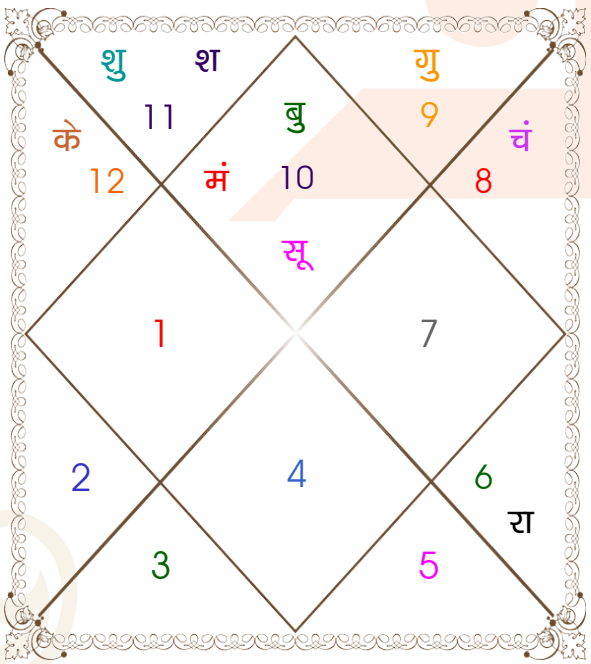

लग्न-चलित

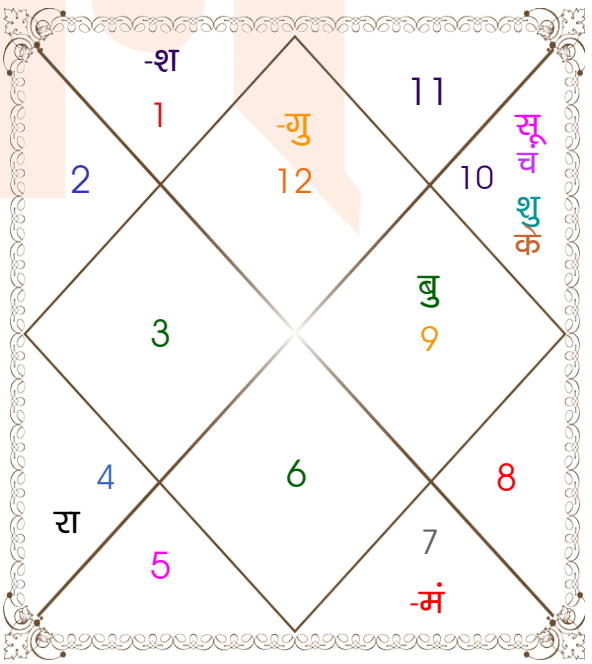

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

कुल : **22 / 36**

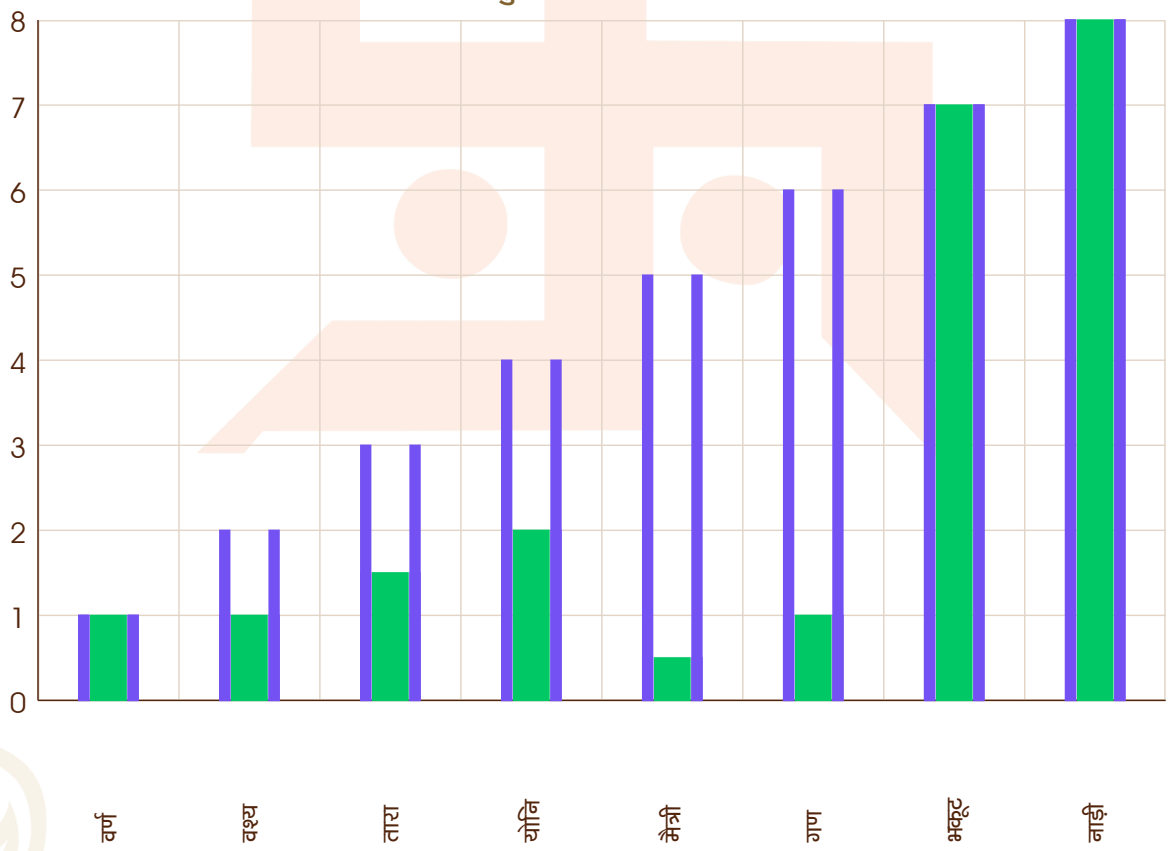

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

क्मअंदीन का वर्ग मृग है तथा Makhija का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअंदीन और Makhija का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअंदीन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल क्मअंदीन कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्मअंदीन कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Makhija मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

क्मअंदीन तथा Makhija में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Makhija का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Makhija सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Makhija मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

क्मअंदीन का वश्य कीट है एवं Makhija का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, क्मअंदीन चतुष्पद अर्थात् पशु एवं Makhija कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

क्मअंदीन की तारा साधक तथा Makhija की तारा प्रत्यरि है। Makhija की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह क्मअंदीन एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Makhija का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Makhija के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। क्मअंदीन अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

क्मअंदीन की योनि मृग है तथा Makhija की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को

लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में क्मअंदीन का राशि स्वामी Makhija के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Makhija का राशि स्वामी क्मअंदीन के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

क्मअंदीन का गण राक्षस तथा Makhija का गण देव है। अर्थात Makhija का गण क्मअंदीन के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण क्मअंदीन निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही क्मअंदीन का Makhija के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Makhija हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

क्मअंदीन से Makhija की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Makhija से क्मअंदीन की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण क्मअंदीन अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Makhija सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव

सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

क्मअंदीन की नाड़ी आद्य है तथा Makhija की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। क्मअंदीन की आद्य नाड़ी तथा Makhija की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

क्मअंदीन की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि तथा Makhija की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में समानता के कारण क्मअंदीन और Makhija के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

क्मअंदीन की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा Makhija की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समराशि में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से क्मअंदीन और Makhija एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति श्रेष्ठता एवं आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। अतः यदि क्मअंदीन और Makhija परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से व्यवहार करें तो इसमें किंचित शुभता आ सकती है।

क्मअंदीन एवं Makhija की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम स्नेह तथा समर्पण के भाव की उत्पति होगी जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। अतः क्मअंदीन और Makhija का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

क्मअंदीन का वश्य कीट तथा Makhija का वश्य जलचर है। कीट एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक समता होने के कारण क्मअंदीन और Makhija की अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी समता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Makhija का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान होंगी। क्मअंदीन की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा Makhija धनार्जन संबधी कार्यो में रूचिशील होंगी। फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ता से युक्त रहेगा।

धन

क्मअंदीन और Makhija की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। क्मअंदीन और Makhija की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Makhija एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण

संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

क्मअंदीन आद्य तथा Makhija अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। क्मअंदीन की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि Makhija की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए क्मअंदीन और Makhija को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से क्मअंदीन और Makhija का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Makhija के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Makhija को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

क्मअंदीन और Makhija बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः क्मअंदीन और Makhija का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Makhija के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Makhija अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Makhija पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Makhija अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

क्मअंदीन तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में क्मअंदीन के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह क्मअंदीन को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही क्मअंदीन के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण क्मअंदीन के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Devanshu

आपका जन्म प्रभाव से अनुकूल संकेत यह प्राप्त हो रहा है कि आप अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर अपने नाम को उजागर करेंगे। क्योंकि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न में उस समय हुआ, जिसमें मेदिनीय क्षितिज पर लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण लग्न के साथ ही उदित हुआ था। मकर राशीय आकृति से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि आप हर दशा में धन संचित कर सुखद आनंददायक पारिवारिक जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपके साथ सुंदर एवं समझदार पत्नी एवं अच्छे पुत्रादि के संयोजन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

आपके जीवन का अत्यंत अनुकूल समय आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष का समय रहेगा। इस अवधि में आप बहुत सफलता प्राप्त कर, धनी व्यक्ति बन जाएंगे। आप इस अवधि में समय का सदुपयोग कर के आपके लिए पर्याप्त धन एकत्र करने का सुंदर समय रहेगा। इसलिए आप कोई किसी प्रकार के आभाव के प्रति चिंतित न हो। क्योंकि आपके पास इतना धन हो जाएगा कि आपका संपूर्ण जीवन विस्तार पूर्वक व्यतीत होगा।

आप एक उत्तम मेधावी एवं शक्ति संपन्न प्राणी होंगे। आप अपनी सफलता हेतु किसी भी प्रकार के साहसिक कार्य को संपादन करने हेतु सक्षम हैं। आपके लिए व्यवसायों में आपके गुण के अनुसार भूमि से संबंधित कार्य अति अनुकूल होंगे। यथा खनिज, कोयला (खुदाई) खनन का कार्य, कृषि कार्य, तेल एवं पेट्रोल का कार्य, लाभदायक होगा। यदि आप अपनी बुद्धि को असंतुलित कर ले तो अपने स्तर में विकास कर विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं तथा आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति विश्वसनीयता पूर्वक कर सकते हैं। आप सर्वथा गायन कला, गणितीय कार्य एवं ज्योतिषीय कार्य में जिसमें आपकी अभिरूचि हो उसकी कार्य में सफल होंगे।

आप धार्मिक भावना के आस्तिक प्राणी हैं। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आपकी इच्छा धर्म दर्शन की अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण करने की रहेगी एवं पराविद्या के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप उदार प्रवृति के प्राणी हैं। आप किसी भी परिस्थिति में धार्मिक अथवा समाज सेवी संस्था को अनुदान प्रदान करने में कभी भी नहीं हिचकेंगे। यह वास्तविकता है कि आप अपने मन की ऊंची लहर को वृद्धावस्था में पूर्ण कर के समाज में सेवा का कार्य करेंगे।

आपके उत्तम आचरण के कारण आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं मनोहर रहेगा। परंतु कतिपय अतिरिक्त रोगादि का प्रभाव कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकता है। आपकी पाचन शक्ति कमजोर है। आपको कफ, सर्दी, जुकाम अथवा शारीरिक चर्म रोगादि भी प्रभावित कर सकता है। आपको इन रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको सर्वदा अपने शारीरिक कार्य-कलाप के प्रति पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। आप आंशिक रूप से शारीरिक जख्म के कारण अधोगामी हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन लाभकारी है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन प्रतिकूल है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक सर्वदा अनुकूल है, परंतु स्पष्ट रूपेण 3 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए पीला एवं क्रीम रंग त्यागनीय है। जबकि रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग अनुकूल एवं साहस प्रदायक है।

Makhija

ज्योतिषीय आकृति के अनुरूप आपका जन्म रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म की शुभ अनुकूलता मात्र प्रत्याशा पूर्वक विश्वास ही नहीं दिलाती है। बल्कि साथ-साथ आपके सांसारिक सुखों को स्वाभाविक रूप से धन लाभ से युक्त करा कर धार्मिक मानचित्र को उन्नतिशील कर रहा है।

मीन राशि आपको ज्ञात कराती है कि इस राशि के प्राणी मोक्ष प्राप्त कर उद्धार हो जाते हैं। आप अत्यंत मर्यादित एवं विश्वसनीय प्राणी है। क्योंकि आपका झुकाव धार्मिक है। आपको संतों की सेवा हेतु उत्सुक कर दिया है। आप सांसारिक सुखों में जिससे आप संबंधित हैं और उस अभिप्रायः में उन्नति कर सकती हैं। यह विषय चिंतनीय एवं निश्चित है कि आप अपने कार्य विषय में सुगमता पूर्वक लक्ष्य तक नहीं जा सकती। क्योंकि मीन राशि द्विस्वाभावात्मक स्वभाव के होते हैं जो आपके चरित्र को दो विपरीत दिशा में विभक्त करता है। आपका एक पक्ष तो यह है कि आपकी अभिरूचि धार्मिक दर्शन के पक्ष में है। अन्य दूसरा पक्ष आपको वासनात्मक प्रवृति की ओर अभिलाषित करता है। अतएव आप स्वच्छंदता पूर्वक यह धारण कर लें कि आपको कौन सा पथ चयन करना है। मिश्रित विचार के कारण दोनों दिशाओं में से कोई भी दिशा न यहां का रहने देगा और नहीं वहां का।

आप इन विचारों से उपर उठकर उत्सुकता पूर्वक सुनिश्चित करें कि क्या आपके घरेलू जीवन में वसना सर्वथा सहायक होगी। भविष्य में आप एक अच्छे पति की पत्नी होंगी तथा आपका एक प्रसन्नतम घर भी होगा। इसकी संपन्नता के संबंध में आपको विचार करना चाहिए कि पारिवारिक सुखद वातावरण के लिए अपनी भागीदारी प्रदान करना है।

आपके संबंध में कुछ और भी लाभ जनक बिंदु यह है कि आप शीघ्रतापूर्वक रूचि कर औपचारिकता यह निभाएं कि अकर्मणयता (नपुंसकता) त्याग कर स्नेहमय वातावरण का निर्णायक बन आप अन्य लोगों की मदद करें। परंतु आप एकाएक किसी भी विषय को प्रस्तुत नहीं करें। परिस्थिति वश किसी को भी दुःख नहीं पहुंचाएं। आप सामान्य लोगों का अपना प्रिय पात्र बनाएं। अतएव आप ऐसा अनुभव नहीं करे कि अधिक आयु के हो जाने पर आपको अपनी संतान पर निर्भर रहना पड़ेगा। आप अपनी अभिलाषा यह रखें कि अपने संभव कार्य कलाप द्वारा बाद की उसमें खर्च हेतु आय का कुछ अंश को सुरक्षित कर लें। आप इसी प्रकार के कार्य

उद्देश्य रखें तथा कुशाग्र बुद्धिमत्ता पूर्वक अच्छा व्यवसाय करें। इसके पश्चात् प्रायः भाग्य आपका पक्षपाती नहीं होगा।

दूसरी दृष्टि से आपकी जन्मपत्रिका में तीन निराशात्मक महत्वपूर्ण बिंदु दृश्य हो रहे हैं जो कि आपकी आयु के 17 वें, 21 वें और 24 वें वर्ष आपके लिए बहुत अधिक अनुकूल प्रमाणित नहीं होंगे अर्थात् जीवन की उपरोक्त संबंधित आयु आपके लिए प्रतिकूल फलदायी होगा। आपके लिए यह अनुग्रहणीय है कि आप इस उम्र में सतर्कता पूर्वक अग्रसर होंवे।

आपके लिए अन्य आवश्यक सुझाव यह है कि आप अपने मित्रों से भी सावधान रहें। क्योंकि इनका हाव-भाव एक घनिष्ट मित्र के जैसा होगा। जो अविश्वसनीय प्रमाणित होगा। इसलिए आप इनका गहन अध्ययन कर अथवा गंभीरता पूर्वक विचार कर, इनको अपना बनावें।

आपके लिए रंगीन समय तब होगा जबकि आप अपने व्यवहारिक जीवन में रंग गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। परंतु नीले रंग का परित्याग करें। मात्र नीला रंग आपके हित प्रतिकूल है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। एवं अंक 8 आपके लिए निश्चित रूप से खराब है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन भाग्यशाली एवं महत्वपूर्ण कार्य हेतु अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के शेष दिन सर्वथा त्याज्यनीय है।

अंक ज्योतिष फल

Devanshu

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी व्यक्ति रहेंगे तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगे तब आपको हानि उठानी पड़ेगी।

आप अनुशासन पसन्द करेंगे। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगे तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगे। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दवाजी होगी। आप चाहेंगे कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनायें शुरू होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों का व्यय होगा। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्न-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Makhija

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगी, तब आपको हानि उठानी पड़ेगी। आप अनुशासन पसन्द करेंगी। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगी तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगी। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दबाजी होगी। आप चाहेंगी कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगी।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनाएं शुरू होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों ही व्यय होंगे। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्न-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Devanshu

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

Makhija

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किश्म की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगी। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगी। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्तिवश आपके कार्य

देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।